



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निवेश समझौतों की प्रगति के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए।

‘चार लाख करोड़ से अधिक के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग हुई’

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान 2024 के एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा की

जयपुर, 11 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस लक्ष्य को पूरा करने में “राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट” के तहत हुए ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित निवेश एमओयू की महत्वपूर्ण भूमिका है। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निवेश समझौतों की प्रगति के लिए मिशन मोड

- **मुख्यमंत्री ने बैठक में सौर ऊर्जा, कम्प्रेस्ड बायो गैस व बायो फ्यूल प्रोड्यूस की बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शेष रहे एमओयू के श्रेणीवार विभाजन के बाद तय समय सीमा में लागू करने के निर्देश दिये।**

पर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों से निरंतर संवाद स्थापित रखें और मॉनिटरिंग करते हुए प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही, उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव स्तर पर नियमित रूप से अक्षय ऊर्जा से संबंधित एमओयू की समीक्षा की

जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में सौर ऊर्जा, कम्प्रेस्ड बायो गैस व बायो फ्यूल प्रोजेक्ट्स की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रगतिरत एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी लाने एवं शेष रहे एमओयू के श्रेणीवार विभाजन के साथ, तय समय सीमा में धरातल पर लागू करने के संबंध में निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर ‘राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट’ के दौरान हुए एमओयू की समीक्षा के लिए त्रि-स्तरीय व्यवस्था की गई है। जिसके तहत 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि वाले एमओयू की समीक्षा प्रतिमाह नियमित रूप से मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौतों में से अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है।

खाटूश्यामजी... (प्रथम पृष्ठ का शेष)

ससड़ी पाड़ा सवाईमाधोपुर, राजकुमार पुत्र भगवान सहाय कुमावत निवासी इंटावा धाना रैनवाल और राकेश मीणा पुत्र रामचंद्र निवासी खंडेलसर को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक आरोपी दुकानदार मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। श्याम बाबा के दर्शन के लिए आए भक्त पीयूष भाटी, निष्की भाटी, लव भाटी और अर्चना भाटी, निवासी आगर मालवा मध्यप्रदेश, के साथ मारपीट की गई। पौडित पक्ष ने थाने में मामला दर्ज करवाया है। बरसात होने पर कच्चे की सड़कें दरिया बन जाती हैं, नालियों से पानी आकर सड़कों पर बहता है, जिससे रास्ता एकदम खराब हो जाता है। अक्सर बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु दुकानों में शरण लेते हैं, जिस पर दुकानदार विवाद करने लगते हैं। गत कुछ अरसे से खाटूश्याम जी में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की घटना बढ़ रही है। महिलाओं, बच्चों और बालिकाओं के साथ भी दुर्व्यवहार की कई खबरें सामने आई हैं। इन घटनाओं से श्रद्धालुओं में भय का माहौल बन गया है।

हिमाचल में बारिश से अब तक 9 1 लोगों की मौत, 3 4 अब भी लापता

शिमला, 11 जुलाई। भारी मौसूनी वर्षा के कारण हिमाचल प्रदेश में 9 1 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 3 4 लोग अभी भी गायब हैं और 1 3 1 लोग घायल हैं। राज्य आपात क्रिया केन्द्र (एसडिओसी) ने पुष्टि की है कि मंडी सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यहाँ 1 5 लोगों की मृत्यु हुई है और 2 9 0 से

अधिक लोगों को वर्षा प्रभावित क्षेत्र से बचाया गया है। राज्य में अकास्मात बाढ़ की 3 1 घटनाएँ, बादल फटने की 2 2 घटनाएँ और भूस्खलन की 1 7 घटनाएँ दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं के कारण राज्य में भारी विनाश हुआ है। घरों, सड़कों और सार्वजनिक आधारभूत संरचना को काफी क्षति पहुँची है। कई जिलों में स्थापित 1 6 राहत शिविरों में

अधिक लोगों को वर्षा प्रभावित क्षेत्र से बचाया गया है। राज्य में अकास्मात बाढ़ की 3 1 घटनाएँ, बादल फटने की 2 2 घटनाएँ और भूस्खलन की 1 7 घटनाएँ दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं के कारण राज्य में भारी विनाश हुआ है। घरों, सड़कों और सार्वजनिक आधारभूत संरचना को काफी क्षति पहुँची है। कई जिलों में स्थापित 1 6 राहत शिविरों में

ट्रंप, सोमवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) थी। रूस ने इस कदम का स्वागत किया था। हालाँकि, इस संकेत के बावजूद भी रूस ने हमले कम नहीं किए। बल्कि, रूस ने यूक्रेन द्वारा रूसी इलाकों में किए गए ड्रोन हमलों के प्रतिशोध स्वरूप नागरिक ठिकानों पर हमले और बढ़ा दिए। बाद में पता चला कि हेगसेय ने यह निर्णय स्वतंत्र रूप से लिया गया था और अमेरिकी राष्ट्रपति को इसकी जानकारी नहीं थी। हालाँकि प्रशासन की ओर से इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई, लेकिन बाद में जब फिर से हथियार आपूर्ति की घोषणा हुई तो अमेरिका की स्थिति स्पष्ट हो गई। रूस की ओर से यूक्रेन के खिलाफ हमले और बढ़ा दिए गए हैं, जिससे पश्चिमी यूरोप के देशों में चिंता गहरी हो जा रही है। इस अस्थिरता के बीच चीन ने यूरोपीय संघ के शीर्ष विदेश मामलों के अधिकारी के साथ प्रतिक्रिया देते हुए रूस के समर्थन की घोषणा की। चीन ने कहा है कि वह यूक्रेन संघर्ष में रूस को हारते नहीं देख सकता, संभवतः अपने ही ताड़वान पर आक्रमण

की योजनाओं को ध्यान में रखते हुए। रूस ने यह भी स्वीकार किया है कि यूक्रेन में लड़ाई के लिए अब उच्च तराफ़ करिया समेत अन्य देशों के सैनिक भी तैनात हैं।

पूरे यूरोप महाद्वीप में सुरक्षा को लेकर डर बढ़ रहा है। जर्मनी ने अपनी सेना को दोगुना करने और उसे मजबूत करने की घोषणा कर दी है। इस समस्त हथियारों की होड़ और व्यापक पैमाने पर टकराव की संभावनाओं के बीच, रूस और पश्चिमी यूरोप के बीच बढ़ते तनाव से यूरोप में शांति का भविष्य खतरे में पड़ता दिख रहा है।

राज्य सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) बेहतररीन काम किया है, लेकिन एसआईटी के मुखिया भर्त कर देने की सिफारिश करने के लिए अधिकृत ही नहीं थे। याचिकाकर्ताओं ने व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति के लिए कोर्ट का सहारा लिया है। पहले याचिका दायर की और फिर उसे वापस लेकर नई याचिका पेश कर दी।

सावरकर मानहानि मामले में 24 जुलाई को सुनवाई

पुणे, 11 जुलाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पुणे की एक अदालत में हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर पर अपनी टिप्पणियों से संबंधित मानहानि के एक मामले में खुद को निर्दोष बताया। न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) और विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए कोर्ट) अमोल धीराम शिंदे ने वीडी सावरकर के पीते साल्विकी सावरकर की ओर से लगाए गए आरोप पढ़े, जिस पर गांधी ने अपने वकील मिलिंद पवार के माध्यम से खुद को निर्दोष बताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल अदालत में मौजूद नहीं थे और उनके वकील पवार ने अदालत के सामने दोष स्वीकार करने से इंकार किया। वहीं, साल्विकी सावरकर का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील संग्राम कोल्हटकर ने कहा कि चूंकि आरोपी के बयान दर्ज करने का चरण समाप्त हो गया है, इसलिए अब मामले की सुनवाई आगे बढ़ेगी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 2 4 जुलाई को तय की है।

स्वदेशी मिसाइल “अस्र” का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वायु सेना ने हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल ‘अस्र’ का शुक्रवार को सुखोई-30 लड़ाकू विमान से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि व्यक्ति की देखने की सीमा से आगे तक मार करने में सक्षम इस मिसाइल का ओड़िशा के तट से परीक्षण किया गया। परीक्षणों के दौरान विभिन्न दूरी तथा

- **100 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार करने वाली इस मिसाइल को सुखोई विमान से दो बार दागा गया और दोनों बार सटीक निशाना लगाया।**

अत्यधिक गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्यों पर दो निशाने लगाये गये और दोनों बार मिसाइलों ने सटीक निशाना साधा।

अस्र की मारक क्षमता 100 किलोमीटर से अधिक है और यह अत्याधुनिक नौवहन प्रणाली से सुसज्जित है। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के अलावा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित 5 0 से अधिक सार्वजनिक और निजी उद्योगों ने इस हथियार प्रणाली के सफल निर्माण में योगदान दिया है।

आज प्र.मंत्री मोदी 51 हजार नियुक्ति पत्र देंगे

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 1 6 वें रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 5 1 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज यहां बताया कि मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। कार्यालय ने बताया कि देश भर में रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक 1 0 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। यह रोजगार मेला देश भर में 4 7 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्तियाँ केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और अन्य विभागों तथा मंत्रालयों में शामिल होंगे।

वडोदरा पुल हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट पेश

वडोदरा, 11 जुलाई। गुजरात सरकार के प्रवक्ता और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने वडोदरा जिले के महिसागर नदी पर बने पुल के गिरने की वजह आधार स्तंभ और जोड़ों की क्षति बताया है। पटेल ने शुक्रवार को बताया कि यह जानकारी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में सामने आई है। मंत्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के आदेश पर सड़क और भवन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच समिति की प्रारंभिक रिपोर्ट में पुल के गिरने की वजह आधार स्तंभ (पेडस्टल) और जोड़ों (जॉइंट्स) की क्षति बताई गई है। समिति अपनी विस्तृत रिपोर्ट 3 0 दिन में सौंपेगी और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नज़रअदाज़ कर रहा है, चुनाव आयोग बिहार में

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आधार कार्ड, वोटर आईडी व राशन कार्ड को मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए जायज़ प्रमाण मानने से इंकार करने का कोई औचित्य नहीं है

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 11 जुलाई। भारत के सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग (ईसी) को बिहार में चल रहे मतदाता सूची संशोधन के दौरान आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को वैध पहचान पत्र के रूप में स्वीकार करने की जोरदार सलाह दिए जाने के 2 4 घंटे बाद भी, आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या कार्यवाही में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कोर्ट की स्पष्ट सलाह के बावजूद कि इन दस्तावेजों को पहले से सूचित किए गए 1 1 पहचान पत्रों के साथ स्वीकार किया जाए, जमीनी रिपोर्टों से पता चलता है कि मतदाताओं को राहत नहीं मिल रही है। उदाहरण के लिए, वैशाली जिले से 3 किलोमीटर दूर लालगंज हाईवे पर स्थित एक गांव में बूथ-स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) अपने दौरे जारी रखे हुए हैं और आधार या वोटर आईडी को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

पटना के राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने चुनाव आयोग की चुप्पी पर हैरानी व्यक्त की है, जब कि सुप्रीम कोर्ट की अवकाश पीठ, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने की थी, ने वोट देने के मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार को रेखांकित किया था। कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि आधार और वोटर आईडी कार्डधारकों को नवम्बर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों के लिए संशोधित मतदाता सूची में शामिल करने से

- **पर, अभी भी बिहार में मतदाता सूची में नाम बढ़ाये/घटाये जा रहे हैं, आधार कार्ड आदि को, कोई महत्व दिये बिना।**

इनकार करने के लिए कोई वैध तर्क नहीं था। न्यायमूर्ति धूलिया ने 2 8 जुलाई को अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित की और चुनाव आयोग को 2 1 जुलाई तक जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो अगली सुनवाई से पहले एक रिजॉइन्डर भी दाखिल करना होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोर्ट ने चल रहे संशोधन प्रक्रिया पर स्टे देने से परहेज किया और इसके बजाय घटनाक्रमों पर नज़दीकी निगरानी रखना उचित समझा।

विपक्षी “इंडिया” गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट की इस दखलअंदाजी का स्वागत किया है और इसे अपने रख की पुष्टि माना है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग की अचानक शुरु की गई संशोधन प्रक्रिया आम मतदाताओं के लिये अनावश्यक परेशानी और अपमान का कारण बन गई है। जिनमें से बहुत से मतदाताओं को स्पष्ट कारणों के बिना कठिंत रूप से सूची से बाहर कर दिया गया है।

कानूनी विवाद का मुख्य मुद्दा यह है कि चुनाव आयोग ने नागरिकता से जुड़े सवालों का निर्धारण करने का

अधिकार हासिल कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियाँ इस बात को लेकर असहमति का संकेत देती हैं कि चुनाव आयोग इस संवेदनशील मुद्दे पर न्यायिक शक्तियां ग्रहण कर रहा है, जो पारंपरिक रूप से अन्य सरकारी विभागों के अधिकार क्षेत्र में आता है।

इस बीच, विपक्षी और गैर-भाजपा दल चुनाव आयोग के अगले कदमों पर बारीकी से निगरानी रखे हुए हैं। फिलहाल, आयोग की ओर से कोई सार्वजनिक स्पष्टीकरण या निर्देश न होने से राजनीतिक असंतोष और आम आदमी की उलझन और ज्यादा गहरी हो गई है। विधानसभा चुनाव सिर्फ तीन महीने दूर हैं, और चुनाव आयोग पर कानूनी और राजनीतिक दबाव बढ़ता जा रहा है। आने वाले हफ्ते, विशेष रूप से 2 1 जुलाई को हलफनामा दाखिल करने की अदालत द्वारा निर्धारित की गई समय सीमा, बिहार में मतदाता अधिकारों और चुनावी निष्पक्षता के विषय में अपनी-अपनी कहानी को स्वरूप देने की दृष्टि से बड़े महत्वपूर्ण होंगे।

समरावता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। इस समूचे प्रकरण में नरेश मीणा पर अलग-अलग मामलों में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। थपपड़ माने पर दर्ज केस में हाईकोर्ट ने नरेश मीणा को गत 3 0 मई को ही जमानत दे दी थी।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए सेना ने शुरु किया “ऑपरेशन शिवा”

आधुनिक टैक्नॉलजी से लैस 8500 जवानों को यात्रा मार्ग पर तैनात किया गया है

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। भारतीय सेना ने बाबा अमरनाथ की सुचारू और सुरक्षित यात्रा के लिए नागरिक प्रशासन और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर ‘ऑपरेशन शिवा 2025’ शुरू किया है।

इस विशेष अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान समर्थित छद्म आतंकवादियों से बड़े खतरे को देखते हुए उत्तरी और दक्षिणी दोनों यात्रा मार्गों पर मजबूत और पुख्ता सुरक्षा प्रदान करना है।

इस वर्ष सुदक्ष अभियान के लिए प्रौद्योगिकी और अन्य जरूरी संधानों से लैस 8 5 0 0 से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है। साथ ही आतंकवाद-रोधी गिड, सुरक्षा तैनाती

- **इसके अलावा ड्रोन रोधी सिस्टम, बम निरोधक दस्ते भी तैनात किए गए हैं।**
- **किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए चिकित्सा, भोजन पानी की व्यवस्था करने में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई है।**

और यात्रा मार्गों की सुरक्षा के उपाय किए गए हैं। सरकारी अफसरों की भी विशेष रूप से आपदा प्रबंधन और आपात स्थिति में सहायता प्रदान की जा रही है। सेना ने ड्रोन खतरों को बैअसर करने के लिए 5 0 से अधिक ड्रोन रोधी प्रणाली भी तैनात की है। यात्रा मार्गों और पवित्र गुफा की निगरानी के लिए ड्रोन मिशन चलाए जा रहे हैं। पुल निर्माण, रास्तों को चौड़ा करने और आपदा

जोखिम कम करने के लिए ‘ईजोनियर टास्क फोर्स’ तैनात की गयी है। अमरनाथ यात्रियों और अन्य को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए 1 5 0 से अधिक डॉक्टर और चिकित्सा कर्मी, दो एडवांस डेसिंग स्टेशन, नौ चिकित्सा सहायता पोस्ट, 1 0 0 बिस्तरों वाला एक अस्पताल और 2,0 0,0 0 0 लीटर ऑक्सीजन से लैस 2 6 ऑक्सीजन बूथ बनाये गये हैं। निर्बाध

संचार के लिए सिग्नल कंपनियां, तकनीकी सहायता के लिए ईएमई टुकड़ी और बम निरोधक दस्ते भी तैनात किये गये हैं।

इसके अलावा 2 5 हजार लोगों के लिए आपातकालीन राशन, क्यूआरटी, टेंट सिटी, वाटर पॉइंट, और बुलडोजर तथा उत्खनन मशीनों सहित अन्य उपकरणों की सुविधा की गयी है। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर तैयार रखे गये हैं। ऑपरेशन शिवा 2025 पवित्र तीर्थयात्रा पर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, निर्बाध और आध्यात्मिक रूप से संतुष्टि देने वाली यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराता है।

बिहार के कांग्रेसी नेताओं की 14 जुलाई को दिल्ली में मीटिंग

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। कांग्रेस ने बिहार में विधानसभा चुनाव में सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे तथा पार्टी की चुनावी रणनीति तय करने के लिए अपनी प्रदेश इकाई के नेताओं की यहां 1 4 जुलाई को बैठक बुलायी है।

पार्टी के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि बैठक में आलाकमान के साथ प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, डॉ शशील अहमद तथा कुछ अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। बैठक में इस बात पर चर्चा होगी कि विधानसभा चुनाव में

- **मीटिंग में आलाकमान के साथ विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।**

महागठबंधन से पार्टी को कितनी सीटें मिलनी चाहिए। इसके अलावा पार्टी द्वारा चुनाव में उठाये जाने वाले मुद्दों के संबंध में भी विचार किया जाएगा। कांग्रेस पिछले कुछ समय से राज्य में बेरोजगारी, इलायन, शिक्षा व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में – महागठबंधन से कांग्रेस को महागठबंधन से 7 0 सीटें मिली थी, जिनमें से उसने 1 7 सीटों पर जीत दर्ज की थी। झारखंड में पार्टी का सहयोगी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा भी इस बार बिहार में कुछ सीटों पर दावा कर रहा है।